मुनाफे पर संकट, नई रणनीति बुनने लगीं कंपनियां

शाइन जैकब
चेन्नई, 31 जुलाई

अमेरिका की ओर से भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की संभावना का असर दिखना शुरू हो गया है, जिससे भारतीय कंपनियों के मुनाफे पर खतरा मंडरा रहा है। तिरुपुर जैसे हब में कपड़ा निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका पहले ही 10 प्रतिशत तक की छूट की मांग कर रहा है और भारतीय निर्माताओं से वह शुल्कों के कारण पड़ने वाले वित्तीय बोझ का कुछ हिस्सा वहन करने का आग्रह कर रहा है।

ध्यान देने वाली बात है कि भारतीय निर्यातकों को बड़ी मात्रा में जाने वाले सामान्य उत्पादों पर औसतन 5 प्रतिशत तक का ही मुनाफा मिलता है। फैशन उत्पादों पर यह लगभग 20 प्रतिशत होता है। भारत से वॉलमार्ट, टारगेट, एमेजॉन, कॉस्टको, मेसी'ज, गैप और कोलंबिया स्पोर्ट्सवियर जैसे अमेरिकी ब्रांड सामान मंगाते हैं। टैरिफ की मार ऐसे समय पड़ी है जब इस साल जनवरी से मई के बीच अमेरिकी बाजार में भारतीय परिधानों की आयात हिस्सेदारी 8 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो इससे पिछले वर्ष इसी अवधि में 6 प्रतिशत पर थी। बाइंग एजेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और एसएनक्यूएस इंटरनैशनल के प्रबंध निदेशक इलांगोवन विश्वनाथन ने कहा, 'कुछ ब्रांडों ने पहले से ही 10 प्रतिशत तक की छूट मांगनी शुरू कर दी है, जबकि वॉल्यूम उत्पादों पर हमारा औसत मार्जिन केवल 5 प्रतिशत के आसपास है, जिससे यह मांग अव्यवहार्य हो जाती है।' उन्होंने यह भी कहा, 'केवल अमेरिकी बाजार पर निर्भर खासकर किडवियर सेगमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्रों की कंपनियों की मुश्किलें अधिक बढ़ने वाली हैं।'

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि उच्च टैरिफ के परिणामस्वरूप अमेरिकी बाजार में भारत के निर्यात वृद्धि में 5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। उद्योग के लिए बड़ी चिंता 'जुर्माना' राशि पर स्पष्टता की कमी भी है, क्योंकि यह बढ़ाए जाने वाले टैरिफ के अतिरिक्त है। कुछ कंपनियों ने टैरिफ की मार के बीच बाजार की प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। इंडियन टेक्सप्रेनर्स फेडरेशन (आईटीएफ) के संयोजक प्रभु दामोदरन ने कहा, '25 प्रतिशत शुल्क के बावजूद भारत को लागत के मामले में बांग्लादेश और कंबोडिया से 10 प्रतिशत, श्रीलंका से 5 प्रतिशत और चीन से 20-25 प्रतिशत अधिक लाभ है। कच्चे माल और इससे जुड़ी अन्य वस्तुओं में हमारी मजबूत नींव तथा बेहतर होती आपूर्ति व्यवस्था के कारण हमें वैश्विक स्तर पर अधिक पसंद किया जाता है।' उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि काफी कुछ इस पर भी निर्भर करेगा कि चीन टैरिफ किस स्तर पर निर्धारित होता है, क्योंकि वैश्विक व्यापार में अलग-अलग प्रतिस्पर्धात्मक लाभ काफी मायने रखता है। कपड़ा निर्माता टीटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजय कुमार जैन ने कहा, 'बढ़ते टैरिफ के कारण अगले तीन महीनों तक खरीद धीमी रहेगी, लेकिन अमेरिका के पास पर्याप्त माल नहीं है, जिससे अधिक इंतजार नहीं कर सकता।'

उन्होंने यह भी कहा, 'भारत के पास वैसे भी आज निर्यात में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की क्षमता नहीं है। वह अभी क्षमता निर्माण की प्रक्रिया में है। किसी अन्य देश के मुकाबले ब्रिटेन और वे खरीदार पहले माल लेना चाहेंगे, जिन्होंने हर हाल में भारत से अधिक माल लेने का फैसला किया है।'

शुल्क की चिंता से नए निचले स्तर पर रुपया

पृष्ठ 1 का शेष

सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक के एक डीलर ने कहा, 'आयातकों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा डॉलर की खरीद की वजह से रुपये में नरमी आई है।' उन्होंने कहा, 'भारतीय रिजर्व बैंक ने 87.75 प्रति डॉलर पर हस्तक्षेप किया। रुपये में आगे भी नरमी बनी रह सकती है और निकट अवधि में 87.90 प्रति डॉलर पर प्रतिरोध देखा जा सकता है।'

बिज़नेस स्टैंडर्ड के सर्वेक्षण के अनुसार रुपये में भारी उठापटक रहने की उम्मीद है। सर्वेक्षण में शामिल ज्यादातर प्रतिभागियों ने कहा कि सितंबर तक रुपया 88 प्रति डॉलर के करीब पहुंच सकता है।

व्यापार तनाव उभरते बाजार की मुद्राओं पर दबाव डालना जारी रखेगा, जिससे रुपया नए निचले स्तर की ओर बढ़ रहा है और निकट भविष्य में इसमें गिरावट बनी रह सकती है। हालांकि दिसंबर के अंत तक डॉलर के मुकाबले रुपये में सुधार होने की उम्मीद है।

आईसीआईसीआई बैंक में इकनॉमिक्स रिसर्च के प्रमुख समीर नारंग ने कहा, 'भारत पर जो शुल्क लगाया गया है उसका असर पड़ा है। रुपया अन्य देशों की तुलना में भारत पर लगाए गए अपेक्षाकृत अधिक शुल्क पर प्रतिक्रिया दे रहा है। इस महीने रुपये में करीब 2.3 फीसदी की गिरावट आई है। दूसरी ओर डॉलर इंडेक्स मजबूत हुआ है। इन रुझानों को देखते हुए हमारा मानना है कि अधिकांश मुद्राओं पर दबाव बना रहेगा। फिलहाल मध्यम अवधि का दृष्टिकोण इस बात पर निर्भर करेगा कि शुल्क का मुद्दा कैसे आगे बढ़ता है।'

इस बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने 9-2 के वोट से ब्याज दरों को 4.25 से 4.5 फीदी पर स्थिर रखा, जिसमें ट्रंप द्वारा नियुक्त दो गवर्नरों ने दर में कटौती के पक्ष में असहमति जताई। इस फैसले से गुरुवार को बाजार में उठापटक देखी गई और डॉलर मजबूत हुआ तथा अमेरिकी ट्रेजरी की यील्ड बढ़ गई। चालू वित्त वर्ष में डॉलर के मुकाबले रुपये 2.4 फीसदी नीचे आया है। कुछ प्रतिभागियों का मानना था कि शुल्क से संबंधित घटनाक्रम के कारण निकट भविष्य में रुपये पर और दबाव बढ़ सकता है लेकिन बाद में इसमें सुधार होने की उम्मीद है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, 'मुझे सितंबर तक और गिरावट की उम्मीद है। लेकिन इसके बाद सुधार होगा। दिसंबर अंत रुपया 87 और 88 प्रति डॉलर के बीच कारोबार कर सकता है।'

रुपये पर सर्वेक्षण

बैंक	सितंबर अंत	दिसंबर अंत
आईसीआईसीआई बैंक	87/$1- 88.50/$1	x
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	88/$1	87/$1
करूर वैश्य बैंक	86.80/$1- 87.00/$1	86.20/$1- 86.50/$1
क्रिसिल एक्स	x	87.50/$1
सीआर फॉरेक्स	86.20/$1-88.50/$1	85.50/$1-90/$1
शिनहान बैंक	86.20/$1-88.70/$1	85.60/$1- 87.95/$1
बैंक ऑफ बड़ौदा	86.50/$1- 87/$1	87/$1-88/$1
एचडीएफसी बैंक	87.00/$1-88.00/$1	86/$1-87/$1
मेकलाई फाइनैंशियल सर्वि	86.50/$1	88.00/$1
फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर	86.80/$1	87.80/$1

जीडीपी में गिरावट संभव: बार्कलेज

वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी बार्कलेज ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका की तरफ से भारत पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क और जुर्माना लगाए जाने से चालू वित्त वर्ष में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में 0.30 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। हालांकि, बार्कलेज ने कहा है कि घरेलू मांग पर आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था पर इस शुल्क वृद्धि का व्यापक असर पड़ने की आशंका नहीं है।

बार्कलेज के मुताबिक, यह शुल्क वृद्धि 1 अगस्त से लागू होती है तो भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर औसतन प्रभावी शुल्क दर व्यापार-भारित संदर्भ में बढ़कर 20.6 प्रतिशत हो जाएगी। यह दर इसी साल 2 अप्रैल से पहले की 2.7 प्रतिशत और उच्च शुल्क को 90 दिनों तक स्थगित रखे जाने की अवधि में लागू 11.6 प्रतिशत दर से कहीं अधिक है। इसके विपरीत भारत में अमेरिका से आयात होने वाले उत्पादों पर औसत शुल्क दर 11.6 प्रतिशत है।

बार्कलेज ने कहा, 'भारतीय अर्थव्यवस्था की अपेक्षाकृत बंद प्रकृति और घरेलू मांग पर निर्भरता इसे बड़े झटकों से बचाती है। हमारा मानना है कि 25 प्रतिशत शुल्क का प्रभाव सीमित रहेगा और जीडीपी वृद्धि पर संभावित प्रभाव 0.30 प्रतिशत तक रहेगा।' इसी के साथ बार्कलेज ने उम्मीद जताई कि भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं के चलते अंतिम शुल्क दर आगे चलकर कम होकर 25 प्रतिशत से नीचे आ सकती है।

भाषा

रूस से घटा, अमेरिका से बढ़ा तेल आयात

पृष्ठ 1 का शेष

गोल्डमैन सैक्स ने आज एक रिपोर्ट में कहा, 'अगर नए शुल्कों को लागू किया जाता है, साथ ही एल्युमीनियम, स्टील और वाहन जैसे उत्पादों पर मौजूदा क्षेत्र-विशिष्ट शुल्क भी लागू रहते हैं तो भारतीय आयात पर कुल प्रभावी अमेरिकी शुल्क (जुर्माने को छोड़कर) लगभग 26.6 फीसदी तक बढ़ जाएगा।'

जुलाई में भारत ने अमेरिका से जून की तुलना में 23 फीसदी ज्यादा कच्चे तेल की खरीद की है, जो भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का 8 फीसदी है। फरवरी में कुल तेल आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी 3 फीसदी थी। यह ऊर्जा निर्यात के ट्रंप प्रशासन के एजेंडे को समायोजित करने के भारत सरकार के प्रयासों को दर्शाता है।

हालांकि सिंगापुर की ऊर्जा विशेषज्ञ वंदना हरि ने कहा कि आगे मुश्किलें आ सकती हैं क्योंकि भारत पर यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका दोनों से प्रतिबंध बढ़ रहे हैं। वंदना इनसाइट्स की संस्थापक हरि ने स्वतंत्र अनुसंधान डेटा का हवाला देते हुए कहा कि भारत को रूसी तेल पहुंचाने वाले टैंकर में से करीब 20 फीसदी पर यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध लगा दिया है।

दो सरकारी रिफाइनिंग अधिकारियों ने कहा कि ट्रंप के ट्वीट और सरकार के निर्देश के अभाव में रूसी तेल की अगस्त डिलीवरी को लेकर बहुत अनिश्चितता पैदा हो गई है। इसका अनुबंध जून के अंत में हुआ था और अब वह यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों की घोषणा से पहले समुद्र में है। अधिकारियों ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि जुर्माना मौजूदा शिपमेंट या नए ऑर्डर पर लागू होंगे या नहीं। इसके अलावा यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि रोसनेफ्ट की इकाई नायरा एनर्जी यूरोपीय संघ के प्रतिबंध के बाद कैसे परिचालन कर पाएगी। रूसी कच्चे तेल के आयात में इसकी हिस्सेदारी करीब 15 फीसदी है। नायरा ने विशिष्ट योजनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY. THIS IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR ISSUE TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY, OUTSIDE INDIA.

TAKYON NETWORKS LIMITED

(Please scan this QR Code to view the RHP)

CIN: U72300UP2015PLC070649

Our Company was originally incorporated as a Private Limited Company under the name of "Takyon Networks Private Limited" on May 12, 2015, under the provisions of the Companies Act, 2013 with the Registrar of Companies, Uttar Pradesh, Kanpur, bearing registration number as 070649. Thereafter, our Company was converted from private limited to public limited, pursuant to a Special Resolution passed by the Shareholders of the Company at the Extraordinary general meeting held on May 30, 2024 and the name of our Company was changed from "Takyon Networks Private Limited" to "Takyon Networks Limited" vide fresh certificate of incorporation dated August 07, 2024 issued by the Registrar of Companies, Central Processing Centre. The Corporate identification number of our Company is U72300UP2015PLC070649. For further details of Incorporation, change of name and registered office of our Company, please refer to the chapter titled ***"History and Corporate Structure"*** beginning on page 104 of the Red Herring Prospectus.

Registered Office: CP 37, Viraj Khand Gomti Nagar, Lucknow – 226 010, Uttar Pradesh, India
Tel No: +91-0522-6656617; **E-mail:** cs@takyon.co.in ; **Website:** www.takyon.co.in ; **Contact Person:** Pooja Sharma, Company Secretary & Compliance Officer

OUR PROMOTERS: MANISH KUMAR SHARMA AND NEERAJ KUMAR

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC OFFER OF UPTO 37,92,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") OF TAKYON NETWORKS LIMITED ("OUR COMPANY" OR "THE ISSUER") AT AN ISSUE PRICE OF ₹[●] PER EQUITY SHARE (INCLUDING SHARE PREMIUM OF ₹[●] PER EQUITY SHARE) FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS ("PUBLIC ISSUE") OUT OF WHICH 1,92,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC ISSUE LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF 36,00,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UPTO ₹[●] LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE PUBLIC ISSUE AND NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.48% AND 25.14 % RESPECTIVELY OF THE POST-ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

BID/ ISSUE PROGRAM
BID/ ISSUE OPENS ON: WEDNESDAY, JULY 30, 2025
BID/ ISSUE CLOSES ON: FRIDAY, AUGUST 01, 2025

CORRIGENDUM-NOTICE TO INVESTORS

This Corrigendum is with respect to the Red Herring Prospectus (RHP) dated July 23, 2025, please note the following:
The attention of the Investors is drawn to **Section II- Summary of Red Herring Prospectus, Section III- Risk Factors and Section VII – Legal and Other Information** of Red Herring Prospectus dated July 23, 2025. **Investors have an option to withdraw the application based on the new disclosures, if they wished to withdraw the same.** These sections should be read along with the following information as provided herein below:

1. At section II – Summary of Red Herring Prospectus under the title 'Summary of Outstanding Litigations' at page 18 of RHP, the table should be read as mentioned below:

SECTION II- SUMMARY OF RED HERRING PROSPECTUS
H. SUMMARY OF OUTSTANDING LITIGATIONS

Litigations/ Matters involving our Company:

Nature of Litigation	Number of Cases Outstanding	Amount in dispute/demanded to the extent ascertainable (Amount in Lakhs)
Filed by the Company		
Other pending material litigations	-	-
Against the Company		
Criminal proceedings	1	69.77#
Other pending material litigations	1	-
Tax Proceedings (Direct Tax)	1	0.90*
Tax Proceedings (Indirect Tax)	-	-

Litigations/ Matters against our Promoters and Directors:

Nature of Litigation	Number of Cases Outstanding	Amount in dispute/demanded to the extent ascertainable (Amount in Lakhs)
Filed by the Promoters and Directors		
Criminal proceedings#	1	-
Other pending material litigations	-	-
Against the Promoters and Directors		
Tax Proceedings (Direct Tax)	5	12.61*
Tax Proceedings (Indirect Tax)	-	-

**Amount mentioned to the extent quantifiable. The amount may be subject to additional interest/other charges being levied by the concerned authorities which are unascertainable as on date of this Red Herring Prospectus.*

 # The case filed against our Company also includes our Directors and Promoters as parties. Accordingly, the amount involved in this proceeding is the same as disclosed above under "Criminal proceedings against the Company". The amount has not been separately disclosed here to avoid duplication.

2. At section III – Risk Factors, the 'Risk No. 15' at page 23 of RHP, should be read as mentioned below:

SECTION III- RISK FACTORS

15. There are outstanding legal tax proceedings involving in our Company. Any adverse decisions could impact our cash flows and profit or loss to the extent of the demand amount, interest and penalty, divert management time and attention and have an adverse effect on our business, prospects, results of operations and financial condition.

There are outstanding legal proceedings involving our Company. For details, see ***"Outstanding Litigation and Material developments"*** beginning on page 173 of this Red Herring Prospectus

Litigations/Matters involving our Company:

(₹ in lakhs)

Nature of Cases	No. of Outstanding Cases	Amount Involved (in ₹ Lakhs)
Criminal Case filed against	1	69.77#
Other pending material litigation against the Company	1	-
Tax proceedings:		
Direct Tax	1	0.90
Indirect Tax	-	-
Total	**3**	**70.67#**

Litigations/Matters involving our Promoters & Directors:

(₹ in lakhs)

Nature of Cases	No. of Outstanding Cases	Amount Involved (in ₹ Lakhs)
Criminal Case filed against#	1	-
Tax proceedings:		
Direct Tax	5	12.61*
Indirect Tax	-	-
Total	**6**	**12.61***

**Amount mentioned to the extent quantifiable. The amount may be subject to additional interest/other charges being levied by the concerned authorities which are unascertainable as on date of this Red Herring Prospectus.*

 # The case filed against our Company also includes our Directors and Promoters as parties. Accordingly, the amount involved in this proceeding is the same as disclosed above under "Criminal proceedings against the Company". The amount has not been separately disclosed here to avoid duplication.

*For further details, please refer to the chapter titled **"Outstanding Litigations and Material Developments"** on page 173 of this Red Herring Prospectus.*

3. At section VII – Legal and Other Information – Outstanding Litigation and Material Developments, the 'A. Litigation involving the Company and B. Litigation involving the Directors/Promoters of the Company' at page 173-174 of RHP, should be read as mentioned below:

SECTION VII – LEGAL AND OTHER INFORMATION
OUTSTANDING LITIGATION AND MATERIAL DEVELOPMENTS
A. LITIGATION INVOLVING THE COMPANY
a) Criminal proceedings against the Company

1. A Miscellaneous Case bearing No. 781/2025 has been filed by Compuage Infocom Ltd. (**"Petitioner"**) against our Company and the Promoters/Directors of our Company (together, the **"Respondents"**) before the Ld. Additional Chief Judicial Magistrate, Mazgaon (**"Ld. Court"**). The matter pertains to the purchase of Systimax goods by our Company in the ordinary course of business on a credit basis. It is submitted that our Company had attempted to contact the Petitioner for payment coordination; however, no response was received. Thereafter, our Company received a legal notice dated February 9, 2024, which was duly responded to on February 26, 2024, highlighting the Petitioner's failure to respond to earlier emails and phone calls. Subsequently, the Petitioner deposited a cheque that had been issued as a security instrument at the time of vendor onboarding. This cheque was presented without any prior intimation to the Company. At the time of presentation, our Company's current account had been changed from Kotak Mahindra Bank to HDFC Bank. The Petitioner has claimed an amount of ₹69.77 lakhs (including interest @24%), while the bill amounts to of ₹ 58.60 lakhs. As per the last order dated July 10, 2025 by the Ld. Court, notice has been ordered to be issued; however, our Company has not yet been served with a copy of the complaint. The matter is currently pending adjudication before the Ld. Court, with the next hearing scheduled for August 25, 2025.

d) Other pending material litigation against the Company

1.A writ petition bearing number C.W.J.C. 653 of 2024 has been filed by Mr. Alok Kumar and Mr. Ravi Kumar Ranjan (**"Petitioners"**) before the Hon'ble High Court of Judicature at Patna (**"Ld. Court"**) under Article 226 of the Constitution of India against the State of Bihar and 8 others (including our company), (collectively the **"Respondents"**). The Petitioners were engaged as Network Support Staff under the BSWAN 2.0 Project, managed by Bihar State Electronics Development Corporation Limited (BELTRON) and implemented by Urmila International Services Private Limited. They were posted in District Sheohar and District Arwal, respectively. The Petitioners have alleged that despite having served for over 14 years, their services were terminated vide orders dated March 16, 2024 and September 12, 2024, without issuance of a show cause notice or an opportunity of being heard. The Petitioners have contended that such termination is arbitrary and violative of Articles 14, 16, 21 and 311(2) of the Constitution of India. The reliefs sought include quashing of the termination orders and interim relief in the form of a stay on such termination. The matter is currently pending adjudication before the Ld. Court.

B.LITIGATION INVOLVING THE DIRECTORS/PROMOTERS OF THE COMPANY
a) Criminal proceedings against the Directors/Promoters of the Company:

As on the date of the RHP, a case has been filed against our Company in which our Directors and Promoters have also been named as parties. For further details, please refer to the section titled *"A. **Litigation involving the Company** – (a) **Criminal proceedings against the Company**"* above.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER TO THE ISSUE	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
Hem Securities	CAMEO	
Hem Securities Limited **Address:** 904, A Wing, Naman Midtown, Senapati Bapat Marg, Elphinstone Road, Lower Parel, Mumbai-400013, Maharashtra, India **Tel No.:** +91-22-4906 0000 **Email:** ib@hemsecurities.com **Investor Grievance Email:** redressal@hemsecurities.com **Website:** www.hemsecurities.com **Contact Person:** Neelkanth Agarwal **SEBI Reg. No.:** INM000010981	**Cameo Corporate Services Limited** **Address:** Subramanian Building No.1, Club House Road, Chennai – 600 002, Tamil Nadu, India. **Tel No.:** +91-44-40020700/28460390 **Email:** ipo@cameoindia.com; **Website:** www.cameoindia.com **Investor Grievance Email:** investor@cameoindia.com **Contact Person:** Ms. K Sreepriya **SEBI Registration Number:** INR000003753 **CIN:** U67120TN1998PLC041613	**Pooja Sharma** **Takyon Networks Limited** **Address:** CP 37, Viraj Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh, India, 226010 **Tel. No.:** +91-0522-6656617; **Email:** cs@takyon.co.in **Website:** www.takyon.co.in Investors can contact the Company Secretary and Compliance Officer or the BRLMs or the Registrar to the Issue in case of any pre-issue or post-issue related problems, such as non-receipt of letters of Allotment, non-credit of Allotted Equity Shares in the respective beneficiary account and refund orders, etc.

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the Red Herring Prospectus.

On behalf of the Board of Directors
Takyon Networks Limited
Sd/-
Pooja Sharma,
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Lucknow
Date: July 31, 2025

Takyon Networks Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares the Red Herring Prospectus dated July 23, 2025 has been filed with the Registrar of Companies, Uttar Pradesh, Kanpur and thereafter with SEBI and the Stock Exchanges. The RHP is available on the website of the SEBI at www.sebi.gov.in, website of BSE SME at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and is available on the websites of the BRLM at www.hemsecurities.com. Any potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, please refer to the Red Herring Prospectus, including the section titled ***"Risk Factors"*** beginning on page 23 of the Red Herring Prospectus.